«जिसके पास दो कोट हैं, उसे किसी के साथ साझा करना चाहिए जिसके पास कोई नहीं है और जिनके पास भोजन है, इसी तरह करें। »

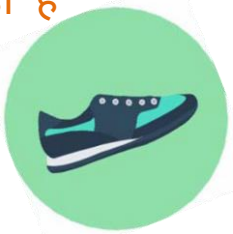

मुझे अपनी चीजें क्यों देनी चाहिए किसी और को?
क्योंकि दूसरा व्यक्ति ईश्वर द्वारा बनाया गया था, जैसे मैं था, और इसलिए वे मेरे भाई या मेरी बहन हैं। वे मेरे हिस्से हैं।
हम एक उपहार के रूप में बनाए गए हैं।

यह हमारी प्रकृति का हिस्सा है। प्रेम का दिव्य नियम हमारे डीएनए में लिखा है।
हमारे पड़ोसी की जरूरतें हर किसी की जरूरत हैं।
क्या कोई भूखा है?
यह ऐसा है जैसे मैं भूखा था और इसलिए मैं उनके लिए भोजन खोजने की कोशिश करता हूं जैसा कि मैं अपने लिए करूंगा।
यरुशलम में पहले ईसाइयों ने ऐसा ही किया।

सैंट बेसिल ने सिखाया: "यदि हर कोई केवल वही है जो आवश्यक है, के साथ खुश होगा, और बाकी, लोगों को देगा जिन्हें इसकी आवश्यकता है, हमारे पास अब ऐसे लोग नहीं होंगे जो अमीर हैं और जो गरीब हैं।"
(संत बेसिल 4 वीं शताब्दी में रहते थे)

(लूका 3:11)

इसे करने की कोशिश करें! इस तरह जीना शुरू करते हैं! यीशु निश्चित रूप से बदले में हमें सौ गुना भेज देंगे। तब हम देते रहेंगे और देते रहेंगे। हमारे जीवन के अंत में, वह हमें बताएंगे

(कीआरा लुबिक द्वारा दिसंबर 2003 के जीवन के अंश)